>

Title: Need to provide employment to the farmers whose lands have been acquired for setting up of lignite plant in Bikaner, Rajasthan.

**श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर):** धन्यवाद सभापति जी, आपने बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के पावर मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मैं बीकानेर संसदीय क्षेत्र, राजस्थान से आता हूं। वहां पर बरसिंगसर में नेवेली लिग्नाइट का पावर प्लांट लगाया गया था और उस पावर प्लांट लगाने के सिलसिले में किसानों की जमीन ली गयी थी और उनको एक आश्वासन दिया गया था कि जितने किसानों की जमीन ली गयी है, हम उनको रोजगार देंगे। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि किसानों ने भी आंदोलन किया और नेवेली लिग्नाइट प्लांट का बरसिंगसर में जब उद्घाटन हुआ तो उस समय भारत सरकार के कोयला मंत्री भी गए। उनके समक्ष भी किसानों ने यह मुद्दा रखा कि हमारे कुल 172 लोगों की जमीनें ली गयी हैं और आपने अभी तक रोजगार नहीं दिया। उस बैठक में मैं भी था और मुझे ध्यान है कि मंत्री जी ने यह आश्वासन दिया था कि हम छः महीने में जिनकी जमीनें ली गयी हैं, उनको रोजगार दे देंगे। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि एक केन्द्रीय मंत्री वहां बोलकर आए। उस समय वहां के मुख्यमंत्री जी वहां थे, एम.एल.ए. और एम.पी. सभी लोग थे। इसके बाद भी वह आश्वासन पूरा नहीं हुआ तो जनता आखिर किस पर विश्वास करेगी?

अभी किसानों की जो जमीन ली जाती है, उससे देश के अन्य भागों में बहुत आंदोलन हो रहे हैं। मैं राजस्थान से आता हूं, सभापति जी आप भी राजस्थान से आती हैं। राजस्थान के लोग शांत हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि उन लोगों को अशांत न होने दें। 172 लोगों की जमीनें ली गयीं, दस साल से ज्यादा समय हो गया। मैंने इसी सिलसिले में एक अतारांकित प्रश्न पूछा था। मुझे मंत्री जी ने जो जवाब दिया, उस जवाब में मंत्री जी कह रहे हैं कि बरसिंगसर में दिए जाने वाले कुल रोजगार की संख्या है 172, अब तक दिए जा चुके रोजगार की संख्या है साठ, इतना अर्सा बीत जाने के बाद भी। दिसंबर, 2011 से पहले दिए जाने वाले रोजगार की संख्या 33, और जून, 2012 से पहले दिए जाने वाले रोजगार हैं 79।

मैं यह कहना चाहता हूं कि मंत्री जी जो साल भर पहले से आश्वासन देकर आए थे, उसका क्या हुआ? इसका मतलब मंत्री जी ने उस बैठक में असत्य बोला या मंत्री जी मेरे इस अतारांकित प्रश्न के माध्यम से असत्य बोलने का प्रयास कर रहे हैं। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि या तो किसानों की जमीन न ली जाए और अगर ली जाए तो जो समझौता किया गया है, उस समझौते के अनुसार सरकार काम करे अन्यथा किसानों को आंदोलन करने से कोई रोक नहीं सकता। आपने मुझे समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।